राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • शनिवार • 30 सितम्बर • 2023

ीएसए ने मेट्रो को ट्रांसफर की 36 एकड़ जमीन

हारा न्यूज ब्यूरो

ुर।

खर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी वेद्यालय कानपुर ने फसल शोध केंद्र ांज प्रक्षेत्र की 36.5 एकड़ जमीन को रूप से और 12 एकड़ जमीन को ई रूप से मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को रित कर दी है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है ा भूमि पर सीएसए के वैज्ञानिक गेहूं ई महत्वपूर्ण प्रजातियां विकसित कर ।

इस जमीन से गेहूं की 42 एवं जौ की ातियों का विकास किया जा चुका है। 2004 में देश का पहला अर्थविद गेहूं का सृजन भी हुआ था और यह सन से अद्यतन देश की हरित क्रांति के साथ द्य सुरक्षा का सहयोगी रहा है। भूमि तरण संबंधी अनुबंध पत्र पर ेद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार ी अध्यक्षता में विश्वविद्यालय की ओर शक बीज एवं प्रक्षेत्र प्रोफेसर विजय यादव और कानपुर मेट्रो रेल ेशन के परियोजना निदेशक अरविंद सिंह ने हस्ताक्षर किए तथा संबंधित ेख एवं अनुबंध पत्रों का आदानप्रदान या गया। कुलपति ने मेट्रो कॉरपोरेशन ियोजना निदेशक से ये भी आश्वासन

विश्वविद्यालय के सौंदर्यीकरण आदि कार्य में सहयोग देने का मेट्रो कॉरपोरेशन के परियोजना निदेशक ने दिया आश्वासन

लिया कि विश्वविद्यालय के सौंदर्यीकरण आदि में मेट्रो अपना सहयोग देती रहे। इस अनुबंध पत्र के अंतर्गत पीडब्ल्यूडी द्वारा चिह्नांकित निर्माण सूची की प्लिंथ एरिया के बराबर विश्वविद्यालय में चिह्नित भूमि पर विभाग, अनुभाग, कार्यालय एवं आवास को कानपुर मेट्रो बनाकर हस्तगत करेगा।

साथ ही प्रक्षेत्र पर अवस्थापित सीसी रोड, नलकूप, थ्रेशिंग फ्लोर और जो भी प्रभावित होंगे उन्हें भी विश्वविद्यालय को बनाकर हस्तगत कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के अंतर्गत वन संपदा का वन विभाग द्वारा मूल्यांकन उपरांत कुल मूल्यांकित धन राशि विश्वविद्यालय के पक्ष में उपलब्ध कराने की सहमति बनी। कानपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन सीएसए में मेट्रो यार्ड के साथ ही मेट्रो स्टेशन को भी भव्यता के साथ बनाएगा। मेट्रो यार्ड एवं सीएसए मेट्रो स्टेशन से कानपुर यातायात में आधारभूत परिवर्तन के साथ ही स्मार्ट कानपुर सिटी को भी प्रतिबिंबित करेगा। इस अवसर पर मेट्रो रेल के कई अधिकारी भी उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान 30/09/2023

...नगर के दो ...ी हादसे में मौत

...ानपुर-प्रयागराज हाईवे ...ाम गुगौली मोड़ के पास ...र खड़े ट्रक में घुस गई। ...ुर के दो लोगों की मौत ...दवई नगर मोहल्ला ...वासी सुनील कुमार ...ाथी अखिलेश तिवारी ...स विकास कॉलोनी ...ा के साथ फतेहपुर गए ... के बाद दोनों शुक्रवार ...ट रहे थे। जैसे ही कार ...र थाना के क्षेत्र के दूधी ...ड़ के पास पहुंची, तभी ...न खो दिया और कार ...ड़े ट्रक के टकरा गई। ...वार दोनों युवकों की ...हो गई।

गेहूं-जौ की प्रजातियां तैयार करने वाली जमीन पर मेट्रो

समझौता

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। देश को गेहूं की 42 और जौ की 33 प्रजातियों को विकसित कर देने वाली जमीन पर अब मेट्रो दौड़ेगी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि सीएसए ने 48.5 एकड़ जमीन उप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन को हस्तांतरित की है। इसे लेकर शुक्रवार को कुलपति कार्यालय में समझौता हुआ।

विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने विवि के फसल शोध केंद्र नवाबगंज प्रक्षेत्र की 36.5 एकड़ जमीन स्थाई और 12 एकड़ जमीन अस्थाई रूप से कानपुर मेट्रो को दी है। बताया इसी प्रक्षेत्र में न सिर्फ गेहूं व जौ की नई प्रजातियां विकसित हुई हैं, बल्कि 2004 में देश का पहला अर्थीविद गेहूं के पद का सृजन भी हुआ है।

अनुबंध पत्र में विश्वविद्यालय की ओर से निदेशक बीज व प्रक्षेत्र प्रो. विजय कुमार व कानपुर मेट्रो रेल कार्पोरेशन के परियोजना निदेशक अरविंद कुमार सिंह ने हस्ताक्षर किए। कुलपति ने बताया पीडब्ल्यूडी द्वारा चिन्हित भूमि पर मेट्रो विवि के विभाग और आवास बना देगी।

Title-code: UPHIN-48963

E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर
समाचार पत्र

30.09.2023jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

Top News पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

स्मार्ट कानपुर सिटी बनाने को बढ़ाए सीएसए ने कदम

पत्रकार जीतेंद्र सिंह पटेल Reporter

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

आज दिनांक 29 सितंबर 2023 को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर ने सहृदयता दिखाते हुए मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा कानपुर को स्मार्ट सिटी बनाने में किया जा रहे प्रयासों में एक और कदम आगे बढ़ाया है। विश्वविद्यालय ने फसल शोध केंद्र नवाबगंज प्रक्षेत्र की 36.5 एकड़ जमीन को स्थाई रूप से एवं 12 एकड़ जमीन को अस्थाई रूप से मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को हस्तांतरित कर दी है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इस जमीन से गेहूं की 42 एवं जौ की 33 प्रजातियों का विकास किया जा चुका है। यही से 2004 में देश का पहला अर्थविद गेहूं के पद का सृजन भी हुआ था, और यह सन 1904 से अद्यतन देश की हरित क्रांति के साथ ही खाद्य सुरक्षा का सहयोगी रहा है। भूमि स्थानांतरण संबंधी अनुबंध पत्र पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय की ओर से निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र प्रोफेसर विजय कुमार यादव तथा कानपुर मेट्रो रेल कारपोरेशन के परियोजना निदेशक श्री अरविंद कुमार सिंह के द्वारा अनुबंध पत्र पर आज हस्ताक्षर किए गए। तथा संबंधित अभिलेख एवं अनुबंध पत्रों का आदान-प्रदान भी किया गया। कुलपति ने मेट्रो कॉरपोरेशन के परियोजना निदेशक से ये भी आश्वासन लिया कि विश्वविद्यालय के सौंदर्यीकरण आदि में मैट्रो अपना सहयोग देती रहे। इस अनुबंध पत्र के अंतर्गत पीडब्ल्यूडी द्वारा चिन्हांकित निर्माण सूची की प्लिंथ एरिया के बराबर विश्वविद्यालय में चिह्नित भूमि पर विभाग, अनुभाग, कार्यालय एवं आवास को कानपुर मेट्रो बनाकर हस्तगत करेगा। साथ ही प्रक्षेत्र पर अवस्थापित सीसी रोड, नलकूप, थ्रेशिंग फ्लोर और जो भी प्रभावित होंगे उन्हें भी विश्वविद्यालय को बनाकर हस्तगत कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के अंतर्गत वन संपदा का वन विभाग द्वारा मूल्यांकन उपरांत कुल मूल्यांकित धन राशि विश्वविद्यालय के पक्ष में उपलब्ध कराने की सहमति बनी। कानपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन सीएसए में मेट्रो यार्ड के साथ ही मेट्रो स्टेशन को भी भव्यता के साथ बनाएगा। मेट्रो यार्ड एवं सीएसए मेट्रो स्टेशन से कानपुर यातायात में आधारभूत परिवर्तन के साथ ही स्मार्ट कानपुर सिटी को भी प्रतिबिंबित करेगा।इस अवसर पर मेट्रो रेल के कई अधिकारी भी उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण 30/09/2023

मेट्रो को मिली सीएसए की 1.40 लाख वर्गमीटर भूमि

- दूसरे कारिडोर के लिए यहां बनाया जाएगा डिपो, खड़ी की जाएंगी मेट्रो ट्रेनें
- इसके साथ ही चार हजार वर्गमीटर जमीन अस्थायी भूमि के रूप में मिली

जासं, कानपुर : कई वर्षों से अटकी सीएसए की जमीन आखिर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन को मिल ही गई। यहां एक लाख 40 हजार वर्गमीटर जमीन पर मेट्रो सीएसए से बर्रा आठ तक के दूसरे कारिडोर का डिपो बनाएगा, जहां इस रूट पर चलने वाली मेट्रो ट्रेनें खड़ी की जाएंगी। इस जमीन को स्थायी रूप से मेट्रो को दिया गया है। इसके अलावा चार हजार वर्गमीटर भूमि को अस्थायी रूप से कार्य करने के लिए दिया गया है, जिसे बाद में लौटा दिया जाएगा।

शहर में 2019 में मेट्रो के निर्माण के बाद से सीएसए की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। कई उच्च स्तरीय बैठकों में यह मुद्दा उठा था लेकिन सीएसए जमीन देने को तैयार नहीं हो रहा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट होने की वजह से आखिरकार सीएसए को यह जमीन देनी

सीएसए में कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह, निदेशक बीज प्रक्षेत्र प्रो. विजय कुमार यादव के साथ कानपुर मेट्रो के परियोजना निदेशक अरविंद सिंह ● मेट्रो

पड़ी। सीएसए के लिए महत्वपूर्ण बात यह है कि इस जमीन से गेहूं की 42 एवं जौ की 33 प्रजातियों का विकास किया जा चुका है। यहीं से 2004 में देश का पहला अर्थविद गेहूं के पद का सृजन भी हुआ था। शुक्रवार को भूमि स्थानांतरण संबंधी अनुबंध पत्र पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय की ओर से निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र प्रो. विजय कुमार यादव तथा कानपुर मेट्रो रेल कारपोरेशन के परियोजना निदेशक अरविंद सिंह ने हस्ताक्षर किए। साथ संबंधित अभिलेख एवं अनुबंध पत्रों का आदान-प्रदान भी किया। सीएसए कुलपति ने बताया कि इस अनुबंध पत्र के मुताबिक विश्वविद्यालय में चिह्नित भूमि पर विभाग, अनुभाग, कार्यालय एवं आवास को मेट्रो बनाकर देगा। साथ ही सीसी रोड, नलकूप, थ्रेशिंग फ्लोर और जो भी चीजें प्रभावित होंगी उन्हें भी विश्वविद्यालय बनाकर देगा। उनके मुताबिक वन संपदा का वन विभाग द्वारा मूल्यांकन होने के बाद कुल मूल्यांकित राशि विश्वविद्यालय को दी जाएगी।

अमर उजाला 30/09/2023

... अवस्थी ,दिनकर ...

मेट्रो को मिला सीएसए की जमीन का कब्जा

कानपुर। सीएसए कुलपति आनंद कुमार सिंह ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन (यूपीएमआरसी) के परियोजना निदेशक अरविंद कुमार को 14 हेक्टेयर (1,40,000 वर्गमीटर) जमीन का स्थायी रूप से कब्जा दिया। साथ ही 0.4 हेक्टेयर (4000 वर्गमीटर) जमीन अस्थायी रूप से दी। मेट्रो के परियोजना निदेशक ने बताया कि इससे सीएसए में डिपो और मेट्रो स्टेशन निर्माण के साथ ही मेट्रो रूट तैयार करने का रास्ता साफ हो गया है। निर्माण के लिए टेंडर मसौदा तैयार हो गया है। जल्द ही टेंडर जारी किए जाएंगे। (ब्यूरो)

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 30/09/2023

मेट्रो के दूसरे कॉरिडोर से ब्रेक हटा, मिली जमीन

वीसी की मौजूदगी में हुई सीएसए व मेट्रो के बीच लैंड ट्रांसफर की कार्रवाई

प्रो. विजय कुमार यादव, अरविन्द सिंह व अन्य.

KANPUR (29 Sept): सीएसए से बर्रा 8 तक कानपुर मेट्रो के दूसरे कॉरिडोर की सबसे बड़ी बाधा शुक्रवार को दूर हो गई. सीएसए यूनिवर्सिटी में यूपीएमआरसी को जमीन मिल गई है. सीएसए में मेट्रो डिपो के साथ ट्रैक भी बनेगा. शायद विवाद की वजह से ही कानपुर मेट्रो ने पहले अंडरग्राउंड सेक्शन शुरू करने की तैयारी की है.

8.6 किमी लंबा कॉरिडोर

कानपुर के दूसरे कारिडोर के अंतर्गत सीएसए से बर्रा-8 तक मेट्रो दौड़नी है. इसकी लंबाई करीब 8.6 किलोमीटर है. इसमें पांच एलीवेटेड और तीन अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन बनाए जाने हैं. अंडरग्राउंड स्टेशन में रावतपुर, काकादेव और डबलपुलिया है. वहीं एलीवेटेड मेट्रो स्टेशंस में कम्पनीबाग सीएसए, विजय नगर, गोविन्द नगर, शास्त्री चौक व बर्रा-8 शामिल है.

शासन तक पहुंचा मामला

सीएसए यूनिवर्सिटी में मेट्रो के लिए जमीन न मिल पाने मामला शासन तक पहुंच गया था. प्रमुख सचिव को इस मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा. तब कहीं जाकर अब कानपुर मेट्रो को मिल सकी. फ्राईडे को सीएसए यूनिवर्सिटी के कुलपति डा. आनन्द कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में लैंड ट्रांसफर को लेकर आवश्यक कार्रवाई की गई. सीएसयू यूनिवर्सिटी के ओर से डायरेक्टर प्रोफेसर विजय कुमार यादव और कानपुर मेट्रो के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर अरविन्द सिंह ने कागजात पर साइन किए.

36.5 एकड़ जमीन परमानेंट

सीएसए की ओर बताया गया कि 36.5 एकड़ जमीन परमानेंट और 12 एकड़ भूमि टेम्प्रेरी रूप से दी गई है. मेट्रो के द्वारा पीडब्ल्यूडी की चिंहित भूमि पर विभाग, अनुभाग कार्यालय एवं आवास बनाकर ट्रांसफर करेगा. उम्मीद जताई कि सीएसए में मेट्रो यार्ड के साथ भव्य स्टेशन भी बनाया जाएगा. वहीं कानपुर मेट्रो के सीपीएम अरविन्द सिंह ने बताया कि सीएसए यूनिवर्सिटी में 14 हेक्टेयर जमीन मिल गई है.